नौकरों और खादिमों के हुकूक

संपादक- मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

नोट: यहां जो हुकूक बयान हुए है उनमे मुस्लिम और गैर मुस्लिम बराबर है.

१} मुस्लिम की रिवायत का खुलासा | रावी अबू हुरैरा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया - गुलाम के हुकूक ये है की उसे खाना और कपडा दे दिया जाए और उसपर काम का सिर्फ इतना ही भोझ डाला जाए जिस को वो सह सकता हो.

असल हदीस में ममलूक का लफ़्ज़ आया है जिससे मुराद गुलाम और दासी है जो इस्लाम से पहले अरब सोसाईटी में पाए जाते थे, लोग उन गुलामों और दासीयो के साथ हैवानों से भी बुरा व्यवहार करते थे, उन्हेंने तो ठीक से खाना देते और ना ठीक से कपडे पहनाते, और इतना काम लेते की उन्के लिए करना मुश्किल हो जाता, जब इस्लाम आया तो उस वकत ये वर्ग मौजूद था.

आपﷺ ने मुसलमान सोसाईटी को ये हिदायत की की उन्के साथ इन्सानों की तरह व्यवहार करो, उन्को वो कुछ खिलाओ जो तुम खाते हो, और वो कपडे पहनाओ जो तुम पहनते हो, और उनसे सिर्फ उतना ही काम लो जितना उन्के बस में हो.

ऐसा ही मामला उस नौकर के साथ होना चाहिए जिस्का रात और दिन आप के पास गुजरता है, खादिमों के साथ कैसा व्यवहार होना चाहिए इसको जानने के लिए अबू कलाबा (रदी) की ये रिवायत पढिये.

अबू कलाबा (रदी) कहते है सलमान फारसी (रदी) के पास गवरनरी के ज़माने में एक आदमी गया, उसने देखा की आप अपने हाथ से आटा गूंध रहे है, पूछा ये क्या? सलमान (रदी) ने कहा हमने अपने खादिम को एक काम से बाहर भेझ दिया है और हमे ये नापसन्द है की उस्के उपर दोनो कामों का भोझ डाल दें.

२} बुखारी व मुस्लिम की रिवायत का खुलासा | अबू हुरैरा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया - दासी और गुलाम तुम्हारे भाई है उन्हें अल्लाह ने तुम्हारे कब्ज़े में दे रखा है तो जिस भाई को अल्लाह ने तुम्मे से किसी के कब्ज़ा में दे रखा है तो उस्को चाहिए की उसे वो खिलाए जो खुद खाता है और उसे वो कपडा पहनाए जो वो खुद पहनता है और उसपर काम का इतना भोझ ना डाले जो उस्की ताकात से बाहर हो, और अगर उसपर किसी ऐसे काम का भोझ डाले जो उस्की ताकात से बाहर है और वो उसे ना कर पा रहा हो तो उस काम में उस्की मदद करे.

३} मुस्लिम की रिवायत का खुलासा | रावी अबू हुरैरा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया - की जब तुम्मे से किसी का खादिम खाना पकाए फिर उसे उस्के पास लाए और हाल ये है की उसने खाना पकाने में गरमी और धुए की मुसीबत बरदाश्त की है, तो मालिक को चाहिए की उसे साथ बिठा कर खिलाए और अगर खाना थोडा हो तो एक लुकमा या

दो लुकमा उसमे से उस्के हाथ में रख दे.

४} इबने माजा की रिवायत का खुलासा | रावी अबू बक्कर सिद्दीक रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया - की अपने गुलामों और खादिमों पर अपने इख्तियार का गलत इस्तेमाल करने वाला जन्नत में दाखिल नहीं होगा.

लोगों ने पूछा की ए अल्लाह के रसूल! क्या आपने हमको नहीं बताया की उस उम्मत में दूसरी उम्मतों के मुकाबले में गुलाम और यतीम ज्यादा होगे? आपने फरमाया हां मेंने तुम्हें ये बात बताई है तो तुम लोग अपनी औलाद की तरह उन्की आवभगत करो और उन्को वो खाना खिलाओ जो तुम खाते हो.

५} मिश्कात की रिवायत का खुलासा | रावी अबू उमामा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने अली (रदी) को एक गुलाम दिया और कहा इसे मारना मत, क्योंकि मुझे नमाज़ी को मारने से रोका गया है और मेंने इसे नमाज़ पढते देखा है.